कश्मीर की आकस्मिक फसल योजना

[स्रोत: द हिंदू](#)

शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (SKUAST) ने वर्ष 2024 की सर्दियों में **वर्षा में 80% की कमी** के कारण कश्मीर में अपेक्षित **सूखे जैसी स्थिति** से निपटने के क्रम में एक **आकस्मिक फसल योजना** तैयार की है।

आकस्मिक फसल योजना के प्रमुख घटक:

- **वैकल्पिक फसल संवर्द्धन**: इसके तहत अधिक जल की आवश्यकता वाले चावल के स्थान पर SKUAST द्वारा **सूखा प्रतिरोधी मक्का (SMC-8, SMH-5) एवं दालों** को बढ़ावा देना शामिल है, जिन्हें कम जल की आवश्यकता होती है।
    - इसमें **फावा बीन एवं लोबिया** जैसी अधिक गर्मी सहन करने वाली फसलों (जो शुष्क परिस्थितियों में वृद्धि कर सकती हैं) की सिफारिश करना शामिल है।

जल संरक्षण रणनीतियाँ:

- **मल्चिंग:** इसके अंतर्गत **नमी बनाए रखने के साथ मृदा स्वास्थ्य में सुधार हेतु** ऊपरी मृदा को जैविक पदार्थों से ढकना शामिल है।
    - **सूक्ष्म सिंचाई**: इष्टतम जल उपयोग के क्रम में **ड्रिप सिंचाई और मिस्ट स्प्रेयर** को प्रोत्साहित करना शामिल है।
        - सब्जी की खेती को बनाए रखने के लिये **सूक्ष्म छिड़काव प्रणाली एवं जैविक मृदा** को महत्त्व देना शामिल है।
    - **एंटी-ट्रांसपिरेंट एजेंट**: इसमें **पौधों से जल की हानि (वाष्पोत्सर्जन)** को कम करने के क्रम में रसायनों का प्रयोग किया जाना शामिल है।
- **अनुकूल कृषि पद्धतियाँ:** इसके अंतर्गत **फलदार फसलों में समय पूर्व फूल आने को रोकने के लिये वृद्धि नियंत्रक स्प्रे** के उपयोग की सिफारिश के साथ नमी को संरक्षित करने के क्रम में एंटी-ट्रांसपिरेंट्स का उपयोग करने की सलाह देना शामिल है।
- **कीट नियंत्रण:** बढ़ते तापमान ने **एफिड्स और लीफ माइनर ब्लॉच जैसे कीटों** को और अधिक आक्रामक बना दिया है। **SKUAST** द्वारा रासायनिक कीट प्रबंधन विधियों के बारे में सलाह दी जा रही है।

और पढ़ें: [जलवायु अनुकूल कृषि](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/crop-contingency-plan-for-kashmir